

प्रेषक,

रंजना,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
प्रारम्भिक शिक्षा, उत्तराखण्ड,
ननूरखेडा, देहरादून।

शिक्षा अनुभाग-1(बेसिक)

देहरादून: दिनांक: 09 अगस्त, 2016

विषय: मध्याह्न भोजन योजना के अन्तर्गत सूखाग्रस्त क्षेत्रों में ग्रीष्मकालीन अवकाश में योजना के संचालानार्थ धनराशि अवमुक्त किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक राज्य परियोजना निदेशक, मध्याह्न भोजन योजना प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड, के पत्र संख्या-रा0प0का0/195/एम0डी0एम0-08(बजट)/2016-17 दिनांक 27 जून, 2016 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें। अवगत कराना है कि भारत सरकार के पत्र सं F.No. 1-11/2015-EE. 06(MDM-3-1 दिनांक 21.07.2016 द्वारा मध्याह्न भोजन योजना के अन्तर्गत सूखाग्रस्त क्षेत्रों में ग्रीष्मकालीन अवकाश में योजना के संचालानार्थ क्रमशः अनुदान-11 (सामान्य) में रु० 859.73 लाख, अनुदान सं० 30 (एस0सी0एस0पी0)में रु० 287.36 लाख एवं अनुदान सं० 31 (टी0एस0पी0) में रु० 36.45 लाख अर्थात् कुल रु० 1183.54 लाख की धनराशि अवमुक्त की गयी है।

2- अतः विभागीय प्रस्ताव के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि केन्द्रांश रूप में प्राप्त धनराशि रु० 1183.54 लाख (रुपये ग्यारह करोड़ तिरासी लाख चौवन हजार मात्र) की धनराशि आपके निर्वर्तन पर रखते हुए निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं-

- (1) वित्त विभाग के शासनादेश दिनांक 26-7-2016 की शर्तों का अनुपालन वित्तीय वर्ष 2016-17 के आय-व्यय की निर्वर्तन पर रखी जा रही धनराशि के व्यय में सुनिश्चित किया जायेगा।
- (2) व्यय करने से पूर्व यथास्थिति अधिप्राप्ति नियमावली के सुसंगत प्राविधानों सहित सुसंगत वित्तीय नियमों तथा प्रचलित प्रक्रियाओं का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- (3) योजनाओं के विभिन्न मदों पर व्यय शासन के वर्तमान नियमों/आदेशों के अनुरूप ही किया जायेगा तथा जहां आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति/सहमति प्राप्त की जायेगी। स्वीकृति धनराशि के सापेक्ष, आहरण/व्यय यथा आवश्यकता मासिक व्यय की सारिणी बनाकर किया जाय।
- (4) यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि उक्त स्वीकृत धनराशि को किसी ऐसे मद पर व्यय न किया जाय जिसके लिए वित्तीय हस्त पुस्तिका तथा बजट मैनुअल के नियमों के अन्तर्गत अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता हो।
- (5) अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत व्यय न किया जाय और इस प्रकार चालू वित्तीय वर्ष की देनदारी अगले वित्तीय वर्ष के लिए कदापि न छोड़ी जाय।
- (6) आवंटनों के अनुसार आहरित व्यय के विवरण निर्धारित तिथि तक शासन को अवश्य उपलब्ध करा दिये जाय। इसी प्रकार व्यय के संबंध में व्ययाधिक्य एवं बचतों के विवरण शासन की निर्धारित अवधि के अन्दर उपलब्ध करा दिये जायें।

- (7) मितव्ययता के संबंध में जारी किये गये शासनादेशों अथवा भविष्य में जारी होने वाले शासनादेशों का विशेष रूप से अनुपालन किया जायेगा।
- (8) व्यय संबंधी जो भी बिल कोषाधिकारी को भुगतान हेतु प्रस्तुत किये जाये उसमें लेखाशीर्षक के साथ-साथ अनुदान संख्या का भी उल्लेख किया जाय।

03— इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-11, 30 एवं 31 के अधीन लेखाशीर्षक 2202-01-प्रारम्भिक शिक्षा के अधीन संलग्नक में उल्लिखित संबंधित व्यौरेवार शीर्षक/सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामें डाला जायेगा।

04— यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश सं0 847/XXVII(1)/2016 दिनांक 26-07-2016 के प्रस्तर -13 में वर्णित प्राविधान केन्द्रांश की धनराशि भारत सरकार से प्राप्त होने पर तथा वित्त अनुभाग-1 /बजट निदेशालय से पुष्टि कराये जाने के पश्चात आवंटित बजट की सीमा तक प्रशासकीय विभाग अपने स्तर पर निर्गत कर सकते हैं। साथ ही यदि केन्द्रपोषित योजना 30.00 करोड़ से अधिक है तो प्र0वि0 उसको दो किश्तों में निर्गत करेंगे। राज्यांश की धनराशि से सम्बन्धित प्रस्ताव योजनान्तर्गत केन्द्रांश के पूर्ण उपयोग के बाद ही वित्त विभाग को प्रस्तुत किये जायेंगे।

संलग्नक: यथोपरि।

भवदीय,

(रंजना)

अपर सचिव।

सं0 605 (i)/xxiv(1)/2016-16/2016 तददिनौक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

01. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहारनपुर रोड, ओवराय बिल्डिंग, देहरादून।
02. महालेखाकार(आडिट), महालेखाकार कार्यालय, वैभव पैलेस, सी-1/105 इन्द्रानगर, देहरादून।
03. मुख्य कोषाधिकारी/कोषाधिकारी देहरादून।
04. राज्य परियोजना निदेशक, मध्यान्ह भोजन योजना प्रकोष्ठ, ननूरखेड़ा देहरादून।
05. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
06. समस्त जिला शिक्षा अधिकारी, उत्तराखण्ड (निदेशक के माध्यम से)
07. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, देहरादून।
08. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3/नियोजन अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
09. राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर देहरादून।
10. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

नन्दन सिंह बिष्ट
(नन्दन सिंह बिष्ट)

अनु सचिव।

शासनादेश सं०-⁶⁰⁵/XXIV(1)/2016-18/2016 दिनांक 09 अगस्त, 2016 का संलग्नक।
(धनराशि हजार रुपये में)

लेखाशीर्षक		भारत सरकार द्वारा अवमुक्त धनराशि केन्द्रांश	स्वीकृत की जा रही धनराशि
अनुदान संख्या-11 (सामान्य) -आयोजनागत			
2202	सामान्य शिक्षा		
01	प्रारम्भिक शिक्षा		
101	राजकीय प्राथमिक विद्यालय		
01	केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र पुरोनिधानित योजनाएँ		
0102	प्राइमरी शिक्षा में पोषाहार सहायता का राष्ट्रीय कार्यक्रम (एमडीएम)		
	20- सहायक/अनुदान/अंशदान/राज सहायता	85973	85973
अनुदान संख्या-30 (एस0सी0एस0पी0)-आयोजनागत			
2202	सामान्य शिक्षा		
01	प्रारम्भिक शिक्षा		
101	राजकीय प्राथमिक विद्यालय		
01	केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र पुरोनिधानित योजनाएँ		
0101	प्राइमरी शिक्षा में पोषाहार सहायता का राष्ट्रीय कार्यक्रम (एमडीएम)		
	20- सहायक/अनुदान/अंशदान/राज सहायता	28736	28736
अनुदान संख्या-31 (टी0एस0पी0)-आयोजनागत			
2202	सामान्य शिक्षा		
01	प्रारम्भिक शिक्षा		
101	राजकीय प्राथमिक विद्यालय		
01	केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र पुरोनिधानित योजनाएँ		
0101	प्राइमरी शिक्षा में पोषाहार सहायता का राष्ट्रीय कार्यक्रम (एमडीएम)		
	20- सहायक/अनुदान/अंशदान/राज सहायता	3645	3645
	कुल योग (अनुदान सं० 11 + 30 + 31)	118354	118354

(रुपये ग्यारह करोड़ तिरासी लाख चौवन हजार मात्र)

Sd/-
09.8.16
(नन्दन सिंह बिष्ट)
अनु सचिव